मई माह में तापमान सामान्य से अधिक पाया गया है, तथा नहरी पानी भी समय पर उपलब्ध नहीं हुआ। अतः जहाँ पर कपास/नरमा की बिजाई हो गयी है वहाँ कपास को जलने से बचाने के लिए एक सुखी खोदी अवश्य करें.

- बी टी कपास की बिजाई मध्य मई तक पूरी कर लें। जून माह में कपास की बिजाई न करें। बिजाई से पहले पलेवा गहरा लगाएं, बिजाई सुबह या शाम के समय की जानी चाहिए। पूर्व से पश्चिम की दिशा में कपास की बिजाई लाभकारी होती है।
- देसी कपास की बिजाई अब न करें, इस से पौध जलने की समस्या आ सकती है।
- खेत की तैयारी सुबह या शाम को ही करें खरपतवार के लिए स्टोम्प 2 लीटर प्रति एकड़ का छिड़काव बिजाई के बाद व जमाव से पहले करें बीटी कपास दो खूडों के बीच में मुंग (MH 421 ) के दो खुड सकते हैं।
- जो किसान भाई टपका विधि से बीटी कपास की बिजाई करना चाहते हैं वह जब तक जमाव नहीं होता तब तक रोज 10 से 15 मिनट सुबह–शाम ड्रिप अवश्य चलाएं व जमाव के बाद हर चौथे दिन लगभग 30 से 35 मिनट ड्रिप चलाएं।

## उर्वरक

- किसान भाई मिट्टी की जांच अवश्य करवाएं, मिट्टी की जांच के आधार पर ही पोषक तत्व की मात्रा तय की जानी चाहिए। बी टी कपास की बिजाई के समय एक एकड़ में एक बैग यूरिया, एक बैग डी.ए.पी, 30 से 40 किलो ग्राम पोटाश व 10 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें।

## बी टी कपास की उन्नत किस्में

- किसान भाई बी टी कपास का विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किया हुआ बीज ही लें (सूचि सलंग्न)। इसकी जानकारी के लिए आप जिले के कृषि विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। बी टी कपास का बीज प्रमाणित संस्था या अधिकृत विक्रेता से ही लें तथा इसका पक्का बिल अवश्य लें।

## बीज की मात्रा

- बीटी कपास के दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें। कतार से कतार व पौधे से पौधे की दूरी 100 x 45 सेंटीमीटर या 67.5 x 60 सेंटीमीटर रखें।

## महत्वपूर्ण सावधानियाँ

- वर्तमान में गुलाबी सुंडी के प्रति बी टी कपास का प्रतिरोधक बीज उपलब्ध नहीं है अतः 3G, 4G एवं 5G के नाम से आने वाले बीजों से सावधान रहें।
- गुलाबी सुण्डी बी टी नरमे के दो बीजों (बिनौले) को जोड़कर 'भंडारित लकड़ियों' में निवास करती है, इसलिए लकड़ी व बिनौलों का भण्डारण सावधानीपूर्वक करें ।

- **किसान भाई अपने खेत में या आसपास रखी गई पिछले साल की नरमा की लकड़ियों के टिन्डे एवं पत्तों को झटका कर अलग कर दें एवं इक्कठा हुए कचरे को नष्ट कर दें। इन लकड़ियों के टिन्डो में गुलाबी सुंडी निवास करती है अतः यह कार्य बिजाई से पहले जरूर कर लें।**
- जिन किसान भाइयों ने अपने खेतों में बी टी नरमा की लकड़ियों को भंडारित करके रखा है या उनके खेतों के आसपास कपास की जिनिंग व बिनौलों से तेल निकालने वाली मिल लगती है उन किसानों को अपने खेतों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि इन किसानों के खेतों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप अधिक होता है।
- कपास की शुरुआती अवस्था में ज्यादा जहरीले कीटनाशको का प्रयोग ना करें। ऐसा करने से मित्र कीटों की संख्या भी कम हो जाती है।
- विश्वविद्यालय द्वारा कपास की खेती के लिए हर 15 दिन में वैज्ञानिक सलाह जारी की जाती है अतः उसके अनुसार ही सस्य क्रियांए एवं कीटनाशकों का प्रयोग करें।

**बीज का उपचार**

- जो किसान भाई अमेरिकन कपास (नॉन बी टी) की बिजाई करना चाहते हैं बढ़िया परिणाम के लिए बिजाई से पहले नीचे दी गई दवाइयों से बीज को उपचारित करें । बिजाई से पहले रोए वाले बीज (6 – 8 किलोग्राम) का 6 से 8 घंटे तक तथा रोए उतारे गए बीज (5–6 किलोग्राम) का केवल 2 घंटे तक निम्नलिखित दवाइयों से उपचार करें।
- एमिशन– 5 ग्राम, स्ट्रेप्टोसाइक्लीन–1 ग्राम, सक्सीनिक – 1 ग्राम, को 10 लीटर पानी में मिलाकर उपचारित करें।
- इन दवाइयों से बीज उपचारित करने से पौधों का बहुत से फफूंदो तथा जीवाणुओं से बचाव हो जाता है। यह उपचार फसल को 40 – 50 दिन तक ही बचा सकता है। इसके बाद छिड़काव कार्यक्रम आरंभ कर दें।
- जिन क्षेत्रों में दीमक की समस्या हो वहां उपयुक्त उपचार के बाद बीज को थोड़ा सुखाकर 10 मिली लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. व 10 मिली लीटर पानी प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर थोड़ा–थोड़ा बीज पर छिड़के व अच्छी तरह मिलाएं तथा बाद में 30 – 40 मिनट बीज को छाया में सुखाकर बिजाई करें।


**अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें**

**8002398139 7015105638 9812700110 9416530089 9041126105 9992911570 9466812467 8901047834**

**कपास अनुभाग, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग**

**अनुसंधान निदेशालय,चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय , हिसार**

## उत्तरी भारत में खरीफ 2025 के लिए बी टी कपास की अनुशंसित संकर किस्में

| Sr. No. | Hybrid | Sponsoring Company |
|---|---|---|
| 1. | ACH 133-2 | Ajeet Seeds Pvt Ltd |
| 2. | ACH 177-2 | |
| 3. | ACH 33-2 | |
| 4. | ACH 155-2 | |
| 5. | ACH 945-2 | |
| 6. | ACH 955-2 | |
| 7. | ACH 999-2 | |
| 8. | ACH 559-2 | |
| 9. | ACH 902-2 | |
| 10. | ANKUR 3224 | Ankur Seed Pvt Ltd |
| 11. | ANKUR 3228 | |
| 12. | ANKUR 3244 | |
| 13. | ANKUR 5642 | |
| 14. | ANKUR 999 (Haryana only) | |
| 15. | ANKUR 555 (Haryana only) | |
| 16. | ANKUR JASSI | |
| 17. | ANKUR 101 (Haryana only) | |
| 18. | ARCH 220 | |
| 19. | 841-2 | Bioseed Research Ltd |
| 20. | 846-2 | |
| 21. | GBCH 95 (Haryana only) | Green Gold Seed |
| 22. | GBCH 85 (Haryana only) | |
| 23. | KCH 172 | Kaveri Seeds Pvt Ltd |
| 24. | KCH 999 | |
| 25. | KCH 307 | |
| 26. | KCH 9323 | |
| 27. | KCH 9333 | |
| 28. | KCH 9355 | |
| 29. | KDCH 441 | Krishidhan Seeds Pvt Ltd |
| 30. | KDCH 641 | |
| 31. | KDCHH 621 | |
| 32. | KSCH 207 | Kohinoor Seeds |
| 33. | KSCH 211 (Haryana only) | |
| 34. | KSCH 218 (Haryana only) | |
| 35. | MRC 7301 | Mahyco Pvt Ltd |
| 36. | MRC 7361 | |
| 37. | MRC 7365 | |
| 38. | VICH 308 | |
| 39. | VICH 309 | |
| 40. | VICH 310 | |
| 41. | MRC 7041 | |
| 42. | C 9314 | |
| 43. | C 9313 | |
| 44. | NCS 4455 | Nuziveedu Seeds |
| 45. | NCS 9002 | |
| 46. | NCS 9024 | |

| | | |
|---|---|---|
| 47. | NCS 459 | |
| 48. | NCS 495 | |
| 49. | NCS 855 | |
| 50. | NCS 857 | |
| 51. | NCS 9013 | |
| 52. | PCH 225 | Prabhat Agri Biotech |
| 53. | PCH 879 | |
| 54. | PCH 9611 | |
| 55. | PRCH 333 | Pravardhan Seed |
| 56. | PRCH 7799 (Haryana only) | |
| 57. | MH 5302 | Rallis India Ltd |
| 58. | MH 5304 (Haryana only) | |
| 59. | MC 5403 | |
| 60. | MC 5408 | |
| 61. | MC 5410 | |
| 62. | RCH 314 | Rasi Seed Pvt Ltd |
| 63. | RCH 650 | |
| 64. | RCH 653 | |
| 65. | RCH 776 | |
| 66. | SHAKTI 9 | |
| 67. | RCH 605 (Haryana only) | |
| 68. | RCH 773 | |
| 69. | RCH 791 (Haryana only) | |
| 70. | RCH 938 | |
| 71. | RCH 951 | |
| 72. | RCH 846 | |
| 73. | RCH 926 | |
| 74. | RCH 960 | |
| 75. | RCH 983 | |
| 76. | RCH 1136 | |
| 77. | RCH 1101 | |
| 78. | RCH 1139 | |
| 79. | RCH 997 | |
| 80. | RCH 1103 | |
| 81. | SOLAR 77 | Solar Agro Pvt Ltd |
| 82. | SUPER 544 | Super seed Pvt Ltd |
| 83. | SUPER 721 | |
| 84. | SUPER 965 | |
| 85. | SUPER 971 | |
| 86. | SWCH 4735 | Seed Works Pvt Ltd |
| 87. | SWCH 4750 | |
| 88. | SWCH 4768 | |
| 89. | SOLAR 75 | Solar Agro Pvt Ltd |
| 90. | SWCH 4744 | Seeds Works Pvt Ltd |
| 91. | SWCH 4755 | |
| 92. | SO7H878 | Tierra Agrotech Ltd |
| 93. | Raghuvir | |
| 94. | C 352 | |